

गरीब वि. (अर.) 1. नम्र, दीन, हीन 2. दरिद्र, निर्धन, अकिंचन, कंगाल 3. विदेशी, परदेशी 4. मुसाफिर, सफ़र करने वाला संगी. ईरानी संगीत का एक राग।

गरीब खाना पुं. (अर+फा.) 1. दीन या निर्धन का घर 2. विनम्र भाव से अपने घर को 'गरीब खाना' कहना।

गरीब निवाज पुं. (अर.+फा.) दीनों पर दया करने वाला, दुखियों का दुख दूर करने वाला, दयालु।

गरीब परवर वि. (अर.+फा.) गरीबों को पालने वाला, दीन प्रतिपालक, दीनों का रक्षक।

गरीबाना वि. (अर.+फा.) गरीबों की तरह का।

गरीबी स्त्री. (अर.) 1. निर्धनता, दरिद्रता, कंगाली, मुहताजी 2. दीनता, अधीनता 3. नम्रता प्रयो. देश के अनेक प्रांतों में गरीबी अधिक है।

गरीयस वि. (तत्.) 1. भारी, गुरु 2. महान, प्रबल 3. महत्वपूर्ण, गौरवान्वित।

गरु वि. (तत्.) 1. भारी, वजनदार 2. जिसका स्वभाव गंभीर हो, शांत।

गरुअ वि. (तद्.) 1. भारी, वजनी 2. गंभीर, उत्तम 3. गौरवयुक्त।

गरुड पुं. (तत्.) 1. विष्णु का वाहन जो पक्षियों का राजा माना जाता है, विनता के गर्भ से उत्पन्न कश्यप का पुत्र पर्षा. गरुत्मान, सुपर्ण, नागांतक, पन्नगाशन, पन्नगरि, पक्षिराज, विष्णुनाथ, खगेश्वर, अमृताहरण 2. उकाब, लंबी गरदन वाला एक पक्षी जो मछलियाँ पकड़ कर खाता है 3. सफेद रंग का पक्षी जो पानी के किनारे रहता है 4. सेना की एक प्रकार की व्यूह रचना, गरुड व्यूह 5. गरुडाकार, आगे पीछे नोकदार, बीच में चौड़ा प्रसाद 6. चौदहवाँ कल्प 7. नृत्य में एक प्रकार का स्थानक, जिसमें बाएँ पैर को सिकोड़ कर दाहिने पैर का घुटना जमीन पर टेकते हैं।

गरुड केतु पुं. (तत्.) कृष्ण।

गरुड ध्वज पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. वह खंभा जिस पर गरुड की मूर्ति बनी होती है 3. गुप्त राजाओं का राजकीय चिह्न।

गरुडपाश पुं. (तत्.) 1. पुराने समय में आयुध रूप में व्यवहृत एक तरह का फंदा।

गरुडपुराण पुं. (तत्.) अठारह पुराणों में से एक जिसमें नरक, यमपुर तथा प्रेतकर्म विधान का वर्णन होता है और किसी वृद्धव्यक्ति की मृत्यु के अनंतर इसकी कथा होती है।

गरुड-व्यूह पुं. (तत्.) वह व्यूह या सैन्य-रचना जिसमें सेना का मध्य भाग चौड़ा तथा अगला पिछला भाग पताला होता है।

गरुडांक पुं. (तत्.) विष्णु।

गरुडाग्रज पुं. (तत्.) 1. गरुड का ज्येष्ठ भ्राता 2. सूर्य का सारथि, अरुण।

गरुडाश्मन् पुं. (तत्.) पन्ना, मरकत मणि।

गरुत पुं. (तत्.) 1. पक्ष, पंख, पर 2. निगलना, भक्षण।

गरुवा वि. (तद्.) 1. भारी बोझ वाला 2. गंभीर, श्रेष्ठ, धीर।

गरुर पुं. (अर.) घमंड, अभिमान, गर्व।

गरुरा वि. (अर.) 1. अहंकारी, अभिमानी, घमंडी 2. मत्त, मस्त, मतवाला।

गरुरी वि. (अर.) घमंडी, अभिमानी।

गरेबान पुं. (फा.) 1. अँगरखे, कुरते आदि का वह भाग जो गले के नीचे और छाती के ऊपर रहता है 2. कोट आदि में वह पट्टी जो गले पर रहती है, कालर मुहा. गरेबान फाड़ना- पागल होना; गरेबान में मुँह छिपाना- लज्जित होना, अपराध स्वीकार करना।

गरेरना स.क्रि. (देश.) 1. घेरना 2. छेकना, रोकना।

गरेरी स्त्री. (देश.) 1. गराडी, घिरनी 2. गँडेरी।

गरोह पुं. (फा.) झुंड, जत्था, समूह, जमात, दल।

गर्क वि. (अ.) डूबा हुआ।

गर्ग पुं. (तत्.) 1. एक गोत्र प्रवर्तक एवं मंत्र का वैदिक ऋषि 2. एक प्राचीन ज्योतिषी 3. बैल, साँड 4. केंचुआ 5. बिच्छू 6. एक पर्वत का नाम